(B) The general recommendation of the Disinvestment Commission in their Reports concern with the setting up of a disinvestment fund not to be fungible with other Government receipts, the NRF should be merged with the Disinvestment Fund, the resources in the fund may be used for short term requirements of PSUs in the process of restructuring or closure restructuring of PSUs before undertaking disinvestment, corporate goverance, more autonomy to the PSUs and setting up of a Standing Empowered Group, etc.

बिहार में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का बंद होना

544. **श्री नागमणि:** क्या **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार में सार्वजनिक क्षेत्र के अनेक उपक्रम बंद हो गये हैं और उनके पुनर्वास के मामले औद्योगिक तथा वित्तीय पुर्ननिर्माण बोर्ड के समक्ष लम्बित पड़े हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार ने उनके पुनर्वास के लिए क्या प्रयास किये हैं?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन): (क) से (ग) दिनांक 31-3-1996 की स्थिति के अनुसार केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के 14 उपक्रमों के पंजीकृत कार्यालय बिहार राज्य में स्थित थे, जिनमें से केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के 6 रूग्ण उद्यम औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन मण्डल को भेजे जा चुके हैं। इनमें से 4 उपक्रमों के सम्बन्ध में औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन मण्डल ने नवीकरण की योजना पहले ही अनुमोदित कर दी है। सरकारी क्षेत्र के एक उपक्रम अर्थात माईका ट्रेडिंग कार्पोरेशन के बारे में औद्योगिक एवं वित्तीय पुर्नगठन मण्डल ने यह घोषणा की है कि वह रुग्ण नहीं रहा है। सरकारी क्षेत्र के शेष एक उपक्रम की औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन मण्डल में जांच चल रही है। इस प्रकार इस समय औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन मण्डल में पंजीकृत सरकारी क्षेत्र का बिहार राज्य में स्थित कोई भी उपक्रम बन्द नहीं है।

उत्तर प्रदेश में उद्योग स्थापित करने हेतु सर्वेक्षण

545. **श्री नागमणि:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या किसी विदेशी कम्पनी ने उत्तर प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त कंपनी द्वारा कतिपय क्षेत्रों में संयंत्र स्थापित किये जाने की कोई संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो ऐसे क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है; इन कम्पनियों के नाम क्या-क्या हैं तथा इन उद्योगों को स्थापित करने के लिए कौन-कौन सी शर्तें निर्धारित की गई है?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन): (क) से (ग) उद्योगों की स्थापना करने की इच्छुक अधिकतर विदेशी कम्पनियां अपने प्रस्तावों को अंतिम रूप देने और निवेश का निर्णय लेने से पूर्व प्रस्तावित स्थापना स्थलों/क्षेत्रों का प्रारम्भिक सर्वेक्षण करती हैं। इस संबंध में सूचना केन्द्रीय रूप से नहीं रखी जाती है।

गुजरात के हज़ीरा क्षेत्र में उद्योग

546. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 अक्तूबर, 1997 की स्थिति के अनुसार गुजरात के हज़ीरा क्षेत्र में निजी क्षेत्र में कितने तथा किस प्रकार के बड़े उद्योग स्थापित किये गये हैं;

(ख) क्या विद्युत, इस्पात तथा तेलशोधक कारखानों इत्यादि से संबंधित उद्योगों को प्राथमिकता दी गई है और निजी क्षेत्र की उन कंपनियों का ब्यौरा क्या है, जिन्होंने अभी तक उद्योग स्थापित किये हैं तथा स्थापित किये गये ऐसे उद्योगों की लागत, उनका क्षेत्रफल तथा उत्पादन क्षमता कितनी-कितनी है;

(ग) इनमें कार्यरत श्रमिकों की संख्या कितनी है तथा क्या स्थानीय लोगों को इन उद्योगों में प्राथमिकता दी गई है; और

(घ) ऐसे उद्योग स्थापित किये जाने के परिणामस्वरूप राज्य के औद्योगिक उत्पादन की दर क्या है?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन): (क) तहसील स्तर पर उद्योगों से संबंधित सूचना केन्द्रीय रूप से नहीं रखी जाती है।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता।

Navaratna's amongst *PSUs*

547. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of Indusry be pleased to state:

(a) the details of Navaratna's and Mini-Navaratna's among the Public Sector Undertakings and list of such undertakings;

(b) the functional autonomy given to these undertakings, and how their accountability is ensured to Government; and

(c) whether in view of the sizezs of the undertaking, the functional autonomy given will be sufficient and will help growth and make the units profitable?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) to (c) Subject to certain guidelines and stipulations, the Govt. have given financial and operational autonomy to the Mini-Ratna and Navaratna enterprises, inter-alia, to incurr capital expenditure, to enter into Joint Ventures, to set up technological & strategic alliances, to formulate schemes of human resources management etc. The list of Navaratna enterprises is as per the statement given below. The enterprises to be covered under Mini-Ratna category would depend upon their fulfilling the conditions stipulated, which is under examination of the Administrative Ministries/Deptts. These enterprises would continue to be subjected to Parliamentary control, Audit, Vigilance etc. The growth & profitability of the enterprises depends upon various factors.

Statement

1. Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL)

2. Bharat Petroleum Corporation Limited (BPCL)

3. Gas Authority of India Limited (GAIL)

4. Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL)

5. Indian Oil Corporation (IOC)

6. Indian Petrochemicals Corporation Limited (IPCL)

7. Mahanagar Telephone Nigam Limited (MTNL)

8. National Thermal Power Corporation (NTPC)

9. Oil & Natural Gas Corporation (ONGC)

10. Steel Authority of India Limited (SAIL)

11. Videsh Sanchar Nigam Limited (VSNL)